संख्या:90/2020/865/35-4-2020

प्रेषक,

ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
लखनऊ।

नियोजन अनुभाग-4 लखनऊ दिनांक:14 दिसम्बर,2020

विषय : वर्ष 2020-21 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि त्वरित आर्थिक विकास योजनान्तर्गत जनपद-लखनऊ की विधान सभा क्षेत्र-मलिहाबाद में शासनादेश संख्या-37/2019/112/35-4-2019 दिनांक 15 जनवरी, 2019 द्वारा 04 कार्यों की रू. 487.03 लाख की लागत पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये प्रथम किश्त के रूप में रू. 381.78 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई थी। उक्त शासनादेश द्वारा स्वीकृत 04 कार्यों में से 01 कार्य यथा: **माल भरावन मार्ग पर स्थित घटघटा बाबा से झिंनगी पुलिया होते हुये गांव गोधन तक सड़क निर्माण कार्य विकास खण्ड माल** कार्य हेतु लागत रू. 210.49 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में रू. 105.24 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई थी। जनपद की मांग पर वित्तीय वर्ष 2019-20 में शासनादेश संख्या-31/2020/382/35-4-2020 दिनांक 06 मार्च,2020 द्वारा अवशेष धनराशि रू. 105.25 लाख अवमुक्त की गई थी। जिलाधिकारी के पत्र संख्या-381/20/2019/त्व0आ0वि0यो0/ दिनांक 16 मई,2020 द्वारा कोविड-19 की विषम परिस्थिति के कारण शासनादेश दिनांक 06 मार्च,2020 द्वारा अवमुक्त धनराशि का कोषागार से आहरण न होने की सूचना के साथ ही कार्य को पूर्ण कराये जाने हेतु अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने का प्रकरण सन्दर्भित् किया गया है। जनपद लखनऊ की विधान सभा क्षेत्र-सरोजनीनगर में शासनादेश संख्या-37/2019/112/35-4-2019 दिनांक 15 जनवरी, 2019 द्वारा 06 कार्यों की रू. 499.47 लाख की लागत पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये प्रथम किश्त के रूप में रू. 398.36 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई थी। जिलाधिकारी, लखनऊ के पत्र संख्या-320/20/2019/ त्व0आ0 वि0यो0/ दिनांक 24 मार्च, 2020 द्वारा उक्त शासनादेश से स्वीकृत कार्यों में से 01 कार्य हेतु प्रथम किश्त के रूप में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष 75 प्रतिशत से अधिक का उपयोग होना इंगित किया गया है। एतदद्वारा उपर्युक्त शासनादेशों द्वारा स्वीकृत कार्यो में से निम्नांकित विवरण के अनुसार जनपद द्वारा सन्दर्भित् 02 कार्यों की अनुमोदित लागत रू. 412.70 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में अवमुक्त धनराशि रू. 206.34 लाख को समायोजित करते हुए द्वितीय किश्त के रूप में रू. 82.53 लाख (रूपये बयासी लाख तिरपन हजार मात्र) को निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की, श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(लाख रू. में)

	विधान सभा क्षेत्र	कार्य	अनुमोदित लागत	प्रथम किश्त में अवमुक्त धनराशि	द्वितीय किश्त में अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	मलिहाबाद	माल भरावन मार्ग पर स्थित घटघटा बाबा से झिंनगी पुलिया होते हुये गांव गोधन तक सड़क निर्माण कार्य विकास खण्ड माल	210.49	105.24	42.09
2	सरोजनी नगर	रायबरेली राजमार्ग से प्रारम्भ होकर कल्ली पश्चिम एकता नगर होते हुये पी0जी0आई0 की बाउन्ड्री तक मार्ग का निर्माण कार्य	202.21	101.10	40.44
		योग	**412.70**	**206.34**	**82.53**

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

1- सन्दर्भित शासनादेश दिनांक 15 जनवरी, 2019 की शर्ते यथावत लागू रहेंगी।

2- प्रश्नगत कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही अवशेष धनराशि एक सप्ताह के अन्दर नियमानुसार कोषागार से आहरण कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करा दी जायेगी।

3- परियोजना के लिये स्वीकृत धनराशि ब्याज अर्जित करने के उद्देश्य से आहरित कर बैंक/डाकघर में नहीं रखी जायेगी। प्रश्नगत धनराशि आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी और तदनुसार कार्यदायी संस्था को धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि संबंधित जनपद के जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा जिलाधिकारी की अनुमति से आहरित कर उपलब्ध करायी जायेगी।

5- इस शासनादेश से उक्त कार्य के लिए अनुमोदित लागत के सापेक्ष 20 प्रतिशत धनराशि का आवंटन किया गया है। कार्यो को मानकों के अनुरूप पूर्ण गुणवत्ता के साथ स्वीकृत लागत में ही पूर्ण किया जायेगा और लागत वृद्धि अनुमन्य नहीं होगी।

6- स्वीकृत धनराशि का आहरण कर सदुपयोग सुनिश्चित किया जायेगा और यदि कोई धनराशि अप्रयुक्त/अनाहरित बचती है तो उसे 31 मार्च, 2021 से पूर्व समर्पित किया जायेगा । स्वीकृत धनराशि का पूरा लेखा- जोखा 31 मार्च, 2021 तक अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव नियोजन अनुभाग-4 को प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

7- राजकोष से आहरित धनराशि का त्रैमासिक आधार पर मिलान महालेखाकार उ0प्र0 में अनुरक्षित लेखों से अनिवार्यतः कराया जायेगा तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात 3 माह में अर्थात 30 जून,2021 तक स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष हुए व्यय का महालेखाकार द्वारा सत्यापित विवरण नियोजन विभाग को प्रेषित किया जायेगा।

8- कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था द्वारा सम्परीक्षित लेखे अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराये जायेंगे।

2- उपर्युक्त मद पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय व्ययक में अनुदान संख्या-40-आयोजनागत-लेखाशीर्षक-5054-सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय-04-जिला तथा अन्य सड़कें-337-सड़क निर्माण कार्य-03-त्वरित आर्थिक विकास योजना-03-ग्रामीण क्षेत्रों में अधूरी सड़को के लिए एकमुश्त व्यवस्था-24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-10/2020/बी-1-564/दस-2020-231/2020 दिनांक 29 सितम्बर, 2020 में प्रतिनिधानित अधिकारों के अनुक्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

संख्या:90/2020/865(1)/35-4-2020 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तर प्रदेश, प्रयागराज(इलाहाबाद)।
2- महालेखाकार, लेखापरीक्षा, प्रथम एवं द्वितीय, प्रयागराज (इलाहाबाद)।
3- अपर मुख्य सचिव, वित्त एवं वित्त आयुक्त, उ0प्र0शासन।
4- अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, लोक निर्माण विभाग/ग्रामीण अभियंत्रण विभाग।
5- अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव/विशेष सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0शासन।
6- प्रमुख सचिव, विधान सभा।
7- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री जी।
8- मण्डलायुक्त, लखनऊ मण्डल।
9- प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग/निदेशक एवं मुख्य अभिन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग।
10- मुख्य विकास अधिकारी, लखनऊ ।
11- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, लखनऊ।
12- वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-5
13- जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, लखनऊ ।
14- अधिशासी अभियन्ता,लो0नि0वि0/ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, लखनऊ।
15- अनुसचिव,मुख्यमंत्री घोषणा-प्रकोष्ठ।
16- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।